पत्थर चलाने वाले हाथों में दी जा रही बॉल

जासं, पटना : जम्मू व कश्मीर में पत्थर चलाने वाले युवाओं के हाथों में क्रिकेट की बॉल दी जा रही है। युवा पत्थर तेज फेंकने की बजाय क्रिकेट पिच पर तेज गेंद करेंगे। इससे उनके साथ-साथ राज्य और देश का भी भला होगा। राजभवन की पहल पर युवा इस हकीकत को समझने लगे हैं। तीन माह में काफी बदलाव आया है। उक्त बातें गुरुवार को जम्मू व कश्मीर के राज्यपाल सत्य पाल मलिक ने पटना विश्वविद्यालय (पीयू) के ह्वीलर सीनेट हॉउस में 'जम्मू व कश्मीर में नई पहल' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में कही। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया राज्य के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गया है। चाट्सएप मैसेज, फेसबुक आदि के माध्यम से युवाओं को भ्रमित किया जाता है। जो घटना नहीं होती, उसे भी पाकिस्तान समर्थित ग्रुप वायरल कर देते हैं। इसका समाधान खोजा जा रहा है। देश के किसी भी शिक्षण संस्थान में 12 से अधिक कश्मीरी छात्र पढ़ते हैं तो वहां लायजन ऑफिसर तैनात किए जाएंगे। अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह और धन्यवाद ज्ञापन प्रोवीसी प्रो. डॉली सिन्हा ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अतुल आदित्य पांडेय ने किया। मौके पर राजभवन सचिवालय के प्रधान सचिव विवेक कुमार सिंह, नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिन्हा, पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश कुमार, पीपीयू के कुलपति प्रो. गुलाब चंद राम जायसवाल, पीयू रजिस्ट्रार कर्नल मनोज मिश्रा, डीएसडब्ल्यू प्रो. एनके झा, साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राधाकांत प्रसाद, बीएन कॉलेज प्राचार्य प्रो. राजकिशोर प्रसाद, सेंट्रल लाइब्रेरी अध्यक्ष प्रो. रवींद्र कुमार, एएन कॉलेज प्राचार्य प्रो. एसपी शाही आदि मौजूद थे।

पटना विवि के सीनेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्य पाल मलिक का स्वागत करते कुलपति आरबीपी सिंह।

सोने का हो जाता जम्मू व कश्मीर : राज्यपाल मलिक ने कहा कि दिल्ली से जितनी राशि जम्मू व कश्मीर भेजी गई, उसका सदुपयोग हो जाता तो राज्य सोने का बन जाता। राज्य की सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की है। अब इसपर रोक लगने से युवाओं में विश्वास बढ़ा है। अपनी समस्या लेकर युवा राजभवन पहुंच रहे हैं। भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए एप का सहारा लिया जा रहा है। कौन सी फाइल कहां है, इसकी जानकारी एप के माध्यम से संबंधित अधिकारियों और राजभवन को मिल रही है।

लाल चौक में छींक तीन देशों के लिए खबर : राज्यपाल ने कहा कि श्रीनगर के लाल चौक पर कोई छींक भी देता है तो भारत, पाकिस्तान और चीन के लिए खबर बन जाती है। लेकिन, अधिसंख्य युवा भारत माता की जय बोलते हैं। चंद भटके हुए युवाओं को ही राज्य की पहचान मान लिया गया है। बंदूक समाधान होता तो आतंकवादी और पाकिस्तानी सेना हमारे जवानों के लिए एक माह की खुराक भी नहीं हैं।

बात | जम्मू व कश्मीर में नई पहल' विषय पर राज्यपाल सत्य पाल मलिक ने पीयू में दिया व्याख्यान

जम्मू-कश्मीर के विवि में होगा छात्रसंघ चुनाव

साक्षात्कार
सत्य पाल मलिक
जम्मू व कश्मीर के राज्यपाल

जम्मू-कश्मीर के युवाओं में काफी क्षमता है। इनके साथ के बगैर राज्य को हकीकत में जन्नत नहीं बनाया जा सकता है। अधिसंख्य छात्रों की लोकतंत्र में आस्था है। बिहार की तरह वहां के सभी विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराएंगे। उक्त बातें गुरुवार को सत्य पाल मलिक ने पटना विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक ह्वीलर सीनेट हॉल में अपने व्याख्यान के बाद दैनिक जागरण के संवाददाता जयशंकर बिहारी से चलते-चलते हुई विशेष बातचीत में कहीं।

• आपको बिहार के छात्र-छात्राएं काफी याद करते हैं। चंद माह में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की चर्चा कैंपस में नियमित होती है।

- जम्मू व कश्मीर राजभवन में कोई भी ऐसा दिन नहीं होगा, जब बिहार की चर्चा नहीं होती है। बिहार के छात्रों में असीम प्रतिभा है। सत्र, कक्षाएं, रिजल्ट आदि नियमित होना अनिवार्य है। राजभवन के निर्णय को जमीन पर उतारने के लिए सभी कुलपति, शिक्षक और छात्र-छात्राओं का पूरा साथ मिला। यहां के लोग जब भी याद करेंगे, हाजिर रहने का प्रयास करूंगा।

• बिहार को किस रूप में याद रखेंगे?

- इस राज्य ने अल्प समय में मुझे जो असीम प्यार दिया है, उसे ताउम्र याद रखूंगा। सभी का काफी सहयोग मिला। इस राज्य को जानने के लिए यहां समय बिताना जरूरी है। यह असीम संभावनाओं की धरा है।

• कैंपस में कई दशक बाद छात्रसंघ चुनाव आपकी पहल पर ही शुरू हुए। क्या जम्मू व कश्मीर में छात्रसंघ चुनाव नियमित होंगे?

- जम्मू व कश्मीर के प्रमुख विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव होते हैं। जिन विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रसंघ नहीं है, वहां छात्रसंघ का चुनाव कराया जाएगा। छात्र की समस्याओं को उठाने का सबसे बेहतर मंच छात्रसंघ है। जम्मू व कश्मीर के युवाओं की लोकतंत्र में काफी आस्था है। प्रतिभावान छात्रों को कुछ तत्व अपने लाभ के लिए भड़काते रहे हैं। छात्र सच्चाई समझ रहे हैं। राजभवन उनकी परेशानियों का प्राथमिकता के स्तर पर निष्पादन कर रहा है।

• बिहार में छात्रों के लिए राजभवन खुला रहता था। सुरक्षा कारणों से जम्मू व कश्मीर के छात्र इससे वंचित तो नहीं हो रहे?

- छात्र-छात्राओं सहित सभी के लिए जम्मू व कश्मीर का राजभवन खुला रहता है। सुरक्षा कारणों से वंचित होने का प्रश्न ही नहीं है। मामूली जांच के बाद छात्र सहजता से मिलते हैं। पत्थरबाजी के आरोपित कई होनहार छात्रों ने अपनी पीड़ा से अवगत कराया। उनकी समस्याओं का निदान भी राजभवन कर रहा है।

• उच्च शिक्षा के लिए जम्मू व कश्मीर में क्या नए कदम उठाने वाले हैं?

-शाम छह बजे के बाद वहां के छात्रों के लिए कुछ करने को नहीं होता है। खेलकूद और मनोरंजन के साधन बहुत सीमित हैं। रोजगारपरक शिक्षा जम्मू व कश्मीर के हर छात्र को सुलभ हो, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री भी वहां के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए चिंतित हैं। छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों का पूरा सहयोग मिल रहा है। हालात काफी तेजी से बदलेंगे।

• खेल और मनोरंजन से जुड़ी क्या व्यवस्था की जा रही है?

-पत्थर चलाने वाले युवाओं के हाथ में क्रिकेट बॉल दी जा रही है। कई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। दो-तीन माह में ये बनकर तैयार भी हो जाएंगे। अगले साल से जम्मू व कश्मी में आइपीएल का आयोजन भी कराय जाएगा। स्कूल और कॉलेजों में खेलकू और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब कराई जाएंगी।

Scanned by CamScanner